City भास्कर
इंदौर, गुरुवार 13 फरवरी 2020

बच्चों के नाम CBSE चेयरपर्सन का ख़त

वैलेंटाइन वीक में बच्चों का एग्ज़ाम स्ट्रेस से ब्रेकअप कराने अनीता करवल ने यह ख़त लिखा
कहा- अंकों से ज्यादा आपका ईमानदार, मेहनती, जेंडर सेंसिटिव और क्रिएटिव होना ज़रूरी

मुझे अपने दोस्त, उनके संग धमाल, एनुअल डे और सज़ा के बाद रोना भी याद है, पढ़ाई-एग्ज़ाम की सारी यादें धुंधली हैं

सिटी रिपोर्टर. इंदौर

सीबीएसई 10वीं और 12वीं की बोर्ड एग्ज़ाम 15 फरवरी से शुरू हो रही है। पूरी तैयारी के बावजूद स्टूडेंट्स स्ट्रेस में हैं और इसका प्रमाण सीबीएसई की ओर से शुरू की हेल्पलाइन पर आ रहे फोन कॉल्स देते हैं। बच्चे ही नहीं, पेरेंट्स भी प्रेशर में हैं। हर वो घर जिसमें इस उम्र के बच्चे हैं, उसका माहौल वॉर ज़ोन जैसा है। यह तनाव कम करने के मकसद से, बच्चों का स्ट्रेस से ब्रेकअप कराने के उद्देश्य से सीबीएसई चेयरपर्सन अनीता करवल ने स्टूडेंट्स और पेरेंट्स के नाम एक ख़त लिखा है जो नंबरों की होड़ से परे पहुंच यह बताता है कि अंततः एक ही बात ज़रूरी है और वह है सीखना। अंक बच्चों की काबिलियत नहीं बताते। पढ़िए बच्चों के नाम अनीता करवल का ख़त ...

प्यारे बच्चों...

मेरे एक सहकर्मी अपनी बिटिया के किस्से बड़े गर्व से सुनाते हैं। उनकी बिटिया वकील बन गई है। कुछ अरसे पहले की ही बात है, यह बच्ची अपने बोर्ड एग्ज़ाम दे रही थी और उसके तनाव में थे। रातों को जाग-जागकर वह उसे रिविजन कराते थे। फिर आया रिज़ल्ट और बिटिया के नंबर वैसे नहीं आए जैसी उन्हें उम्मीद थी। वे निराश हो गए। उनकी बिटिया उनसे मिलने आई और उनका उदास चेहरा देखा तो बोली, निराश न हों पापा, आपने अपना बेस्ट दिया...। मैं आज भी उस बच्ची की आवाज़ की वह खनक नहीं भूली। उसका मनोबल उसके चेहरे पर दमक रहा था। वह बखूबी जानती थी यह परीक्षा उसकी काबिलियत की कसौटी नहीं है।

बच्चों, स्कूलिंग का मतलब सिर्फ बोर्ड एग्ज़ाम नहीं है। मैं अतीत में देखती हूं तो सोचती हूं कि स्कूल से मैं घर क्या लेकर लौटती थी। मुझे पिकनिक्स याद हैं, एनुअल फेयर्स याद हैं, स्पोर्ट्स डे और एनुअल फंक्शंस याद हैं। मुझे मेरे दोस्त, उनके साथ धमाचौकड़ी, हंसी-मज़ाक और रोना भी याद है, लेकिन पढ़ाई की चंद यादें ही हैं मेरे ज़हन में और वह भी धुंधली सी। मुझे याद है हिस्ट्री में बहुत सी तारीखें याद करना पड़ती थीं। तब मैंने याद की भी थीं पर आज मुझे वो याद नहीं हैं। मैं फ्रेंड्स से कहती थी- लाइफ में कुछ भी करना, लेकिन इतिहास मत बनाना। अगली पीढ़ी के बच्चे तुम्हें कभी माफ नहीं करेंगे। भूगोल में अमेरिका को कोसती थी मैं कि उनके जंगल अफ्रीका से अलग क्यों है। दुनिया एक जैसी और साधारण क्यों नहीं हो सकती? गणित में तो मेरा हाल ऐसा था जैसा एलिस का वंडरलैंड में था। केमिस्ट्री मेरे लिए अंग्रेजी शब्दों और अरेबिक न्यूमरल्स का कॉम्बिनेशन था। बायोलॉजी के लिए मैं इतनी जिज्ञासु थी कि रेड ब्लड सेल्स और माइटोकॉन्ड्रिया की ऑटोबायोग्राफी लिखती थी। एक्स्ट्रा कॅरिकुलर एक्टिविटीज में पढ़ाई से बेहतर थी। कोरे कैनवास पर अपनी कल्पनाएं उकेरना मुझे सुकून देता था। जस्ट ए मिनट गेम, स्टेज एक्ट्स और इन्हीं एक्टिविटीज़ ने मुझे आउटगोइंग बनाया और मैं ब्यूरोक्रेसी जैसे रोमांचक क्षेत्र के रास्ते पर चल पड़ी। मुझे यह याद नहीं है कि बोर्ड में क्या सवाल पूछे गए थे और उन्हें मैंने उन्हें कैसे हल किया।

आज मैं आपसे यह सब शेयर कर रही हूं कि क्योंकि मैं बताना चाहती हूं कि हम बड़े आज जहां हैं, वहां तक हर सबजेक्ट में बेस्ट होकर, स्कूल की हर एक्टिविटी में सर्वश्रेष्ठ होकर नहीं पहुंचे हैं। स्कूल में हमें हर फील्ड का एक्सपोजर मिलता है, लेकिन उससे कहीं ज्यादा यह लाइफ लॉन्ग लर्नर बनाता है, वैल्यूज और स्किल्स सिखाता है।

आप 21वीं सदी के बच्चे हैं। आपका एम्प्लॉयर इस बात की फिक्र नहीं करेगा कि आपको नंबर कितने मिले थे, पर यह जरूर जानना चाहेगा कि क्या आप मेहनती हैं। क्रिएटिव हैं। कुछ लोग जानना चाहेंगे कि आपकी क्रिटिकल थिंकिंग, समस्या हल करने काबिलियत, कम्युनिकेशन स्किल्स क्या हैं। लेकिन सभी यह जरूर जानना चाहेंगे कि आप अपने काम में कितने ईमानदार हैं, जेंडर सेंसिटिव हैं, अच्छे नागरिक हैं और टीम का हिस्सा बन सकते हैं या नहीं। आपको पता हो या न हो, लेकिन मुझे यकीन है कि आप सभी इन क्वालिटीज़, स्किल्स, वैल्यूज को हासिल कर चुके हो। तो जहां तक आपके फ्यूचर की बात है, आप सभी 'फ्लाइंग कलर्स' से पास हो चुके हैं।

जिंदगी में आपने कई ऊंचाइयां भी हासिल कर ली हैं। घुटने के बल होते हुए अपने पैरों पर चलने लगे हैं, कभी तोतला बोलते थे मगर तोतली जुबान से अब साफ बोलने लगे हैं। आपने दोस्त बनाए हैं, टीम वर्क किया है, लिखना-पढ़ना, पेंट करना, डांस सीखा है। इंटरनेट सर्च करना, कुकिंग, गार्डनिंग जानते हैं। बड़ों का सम्मान करते हैं... यह लिस्ट बहुत लंबी। इन सब चीजों ने आपकी पर्सनैलिटी को तराशा है और एक नायाब हीरे में तब्दील कर दिया है और इसी फेहरिस्त का एक छोटा सा हिस्सा हैं परीक्षाएं। यह उतनी बड़ी चीज़ नहीं है जितना इसे बना दिया गया है। सफर का बस एक पड़ाव है जिससे आपको पता लगता है कि आप जीवन में क्या करना चाहते हैं। खुद को क्या बनते देखना खहते हैं। क्रिएटिविटी से भरा कॅरियर आपका इंतजार कर रहा है। अपनी खूबियों क्षमताओं के दम पर अपनी चिंताओं पर हमला बोल दीजिए और उन्हें परास्त कर दीजिए।

बेस्ट ऑफ लक, गॉड ब्लेस यू
चेयरपर्सन